A–BRL–M–QIMB

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित **पाँचों** भागों में से प्रत्येक का समालोचनात्मक उत्तर अधिकतम *150* शब्दों में दीजिए :

Answer all the *five* parts below critically in not more than *150* words each :

10×5=50

(a) क्या भ्रष्टाचार से केवल नैतिक पहलू ही नहीं वरन् आर्थिक पहलू भी जुड़ा है?

Does corruption have not only a moral dimension but also an economic dimension?

(b) भारतीय संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों के समावेश का क्या महत्त्व है?

What is the significance of including duties of citizens in the Indian Constitution?

(c) क्या सभी धर्मों को समान आदर का भाव एक संगत व कार्यात्मक राष्ट्रीय नीति प्रदान करता है?

Does the idea of equal respect to all religions provide a consistent and viable state policy?

(d) क्या प्रजातंत्र व समाजवाद का संयोग अधिक समानता का समाज बनाता है?

Does the combination of democracy and socialism lead to a more equitable society?

(e) भारतीय संदर्भ में, क्या जातिभेद ने प्रजातांत्रिक प्रणाली को प्रभावित किया है?

Is there any impact of caste discrimination on democracy in Indian context?

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम *250* शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) 'प्रजातंत्र' से क्या अभिप्राय है? प्रजातांत्रिक सरकारों के कौन-कौन से विभिन्न रूप होते हैं?

What is meant by 'democracy'? What are the various forms of democratic governments?

(b) क्या प्रजातांत्रिक सरकार अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करने में समर्थ होती है?

Is a democratic government able to represent the interests of minority groups?

(c) क्या प्रजातांत्रिक सरकार उदारवादी तानाशाही से बेहतर होती है? अपने उत्तर के कारण बताइए।

Is a democratic government better than a benevolent dictatorship? Give reasons for your answer.

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम *250* शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) 'लिंग समानता' से आप क्या समझते हैं और यह क्यों महत्त्वपूर्ण है?

What do you understand by 'gender equality' and why is it important?

(b) पुरुष व महिला में बराबरी के लिए क्या आर्थिक स्वतंत्रता आवश्यक है?

Is economic independence essential for equality between men and women?

(c) इस संदर्भ में राजनैतिक संगठनों में महिलाओं का यथेष्ट प्रतिनिधित्व क्यों महत्त्वपूर्ण है?

Why is adequate representation of women in political institutions important in this context?

4. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर अधिकतम *250* शब्दों में दीजिए :

Answer the following in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) अरस्तू की न्याय की अवधारणा समझाइए और उसका मूल्यांकन कीजिए।

Explain and evaluate Aristotle's conception of justice.

(b) 'निष्पक्ष न्याय' से आप क्या समझते हैं? रॉल्स के न्याय के सिद्धांत के मूल बिन्दुओं को समझाइए।

What is meant by 'justice as fairness'? Explain the basic tenets of Rawls' theory of justice.

(c) न्याय के प्रति अमर्त्य सेन और रॉल्स की सोच में क्या अंतर है?

How is Amartya Sen's approach to justice different from that of Rawls?

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम *150* शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than *150* words each : 10×5=50

(a) क्या धर्म भगवान का परित्याग नहीं कर सकता?

Is God indispensable for religion?

(b) क्या धार्मिक नैतिकता व्यक्तिगत स्वतंत्रता की संगत है?

Is religious morality consistent with individual freedom?

(c) क्या मानवीय प्रयासों से भिन्न कोई अन्य साधन मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रेरक है?

Is there anything else other than human efforts which may be conducive to attainment of liberation?

(d) क्या आस्तिक लोग संसार में दैवी बुराई को अच्छाई का ही दूसरा आवश्यक पहलू बताने में सफल हुए हैं?

Do theists succeed in explaining the natural evil in the world as a necessary counterpart to good?

(e) क्या धार्मिक आस्था तर्क के विरुद्ध है?

Is religious faith opposed to reason?

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर अधिकतम *250* शब्दों में दीजिए :

Answer the following in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) पाश्चात्य व भारतीय दर्शन में भगवान के अस्तित्त्व के पक्ष में दिए ब्रह्माण्ड संबंधी तर्क बताइए और उसकी विवेचना कीजिए।

State and elucidate the cosmological argument for the existence of God in Western and Indian philosophy.

(b) इस तर्क के विरुद्ध दो मुख्य आपत्तियों की विवेचना कीजिए। क्या आस्तिक लोग इनका संतोषजनक उत्तर दे पाए हैं?

Discuss two main objections against this argument. Are theists able to answer these satisfactorily?

(c) भगवान के अस्तित्त्व के लिए गढ़े गए तर्क के विरुद्ध तीन मुख्य आपत्तियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate three major objections against the argument from design for the existence of God.

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक की विवेचना अधिकतम *250* शब्दों में कीजिए :

Discuss the following in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) दैवी अनुभव की प्रकृति क्या होती है?

What is the nature of mystical experience?

(b) क्या दैवी अनुभव की भिन्न-भिन्न रूपों में व्याख्या की जा सकती है?

Is mystical experience open to different interpretations?

(c) क्या दैवी अनुभव को ज्ञान का अधिकृत स्रोत माना जा सकता है?

Can mystical experience be regarded as a valid source of knowledge?

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक की विवेचना अधिकतम *250* शब्दों में कीजिए :

Discuss the following in not more than *250* words each : 15+15+20=50

(a) "धार्मिक भाषा गैर-संज्ञानात्मक है।" इस कथन का क्या आशय है?

What is meant by saying that religious language is non-cognitive?

(b) क्या धार्मिक भाषा को सत्यापन-योग्य कहा जा सकता है?

Can religious language be said to be verifiable?

(c) क्या संज्ञानात्मकतावादी झूठ पर आधारित आपत्ति का समुचित उत्तर दे पाते हैं?

Do cognitivists provide a cogent answer to the objection based on falsifiability?

★★★

CS (Main) Exam : ,2014

C–DRN–N–RIMB

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer all of the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) यदि जाति भेदभाव में निरन्तरता और सोपान है, तो न्याय का कौन-सा सिद्धान्त इस समस्या को समाप्त कर सकता है?
If caste discrimination has continuity and hierarchy, which principle of justice can dissolve this problem?

(b) बहुसंस्कृतिवाद किस प्रकार पहचान, स्वतंत्रता और समता जैसी उदारवादी धारणाओं को पुनर्भाषित करता है तथा उसके अभिगृहीतों की पुनर्रचना करता है?
How does multiculturalism redefine liberal notions like identity, freedom and equality and reformulate its assumptions?

(c) उदारवादी मानववाद और मार्क्सवादी मानववाद में हम किस प्रकार विभेदन करते हैं?
How do we distinguish Liberal humanism and Marxist humanism?

(d) जॉन ऑस्टिन के सम्प्रभुता के सिद्धान्त के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। यह हॉब्स के सिद्धान्त से किस प्रकार भिन्न है?
Explain the significance of John Austin's theory of sovereignty. How does it differ from that of Hobbes?

(e) क्या हम कह सकते हैं कि प्रजातीय सर्वोच्चता (रेशियल सुप्रिमेसी) जनसंहार का मुख्य कारण है? अपने उत्तर के कारण बताइए।
Can we say that racial supremacy is the main reason for genocide? Give reasons for your answer.

2. *(a)* दंड के किस सिद्धांत, प्रतिशोधात्मक या सुधारवादी, का आप समर्थन करते हैं और क्यों?
Which theory of punishment, retributive or restorative, do you recommend and why? 20

(b) ''कोई भी नारी पैदा नहीं होती है, परन्तु वह नारी बन जाती है।'' इस कथन की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
"One is not born a woman, but she becomes a woman." Critically comment on it. 15

(c) क्या हम परकीयन (एलिनेशन) के विलोपन के द्वारा सामाजिक प्रगति प्राप्त कर सकते हैं? समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
By eliminating alienation can we bring social progress? Critically analyse. 15

3. *(a)* ''शक्ति भ्रष्ट बनाती है, पूर्ण शक्ति पूर्णरूपेण भ्रष्ट बनाती है''—इस कथन का तर्क पेश करते हुए विश्लेषण कीजिए।
Analyse the statement with reasons that "Power corrupts, absolute power corrupts absolutely". 20

(b) भारत में जाति-व्यवस्था पर गाँधी एवं अम्बेदकर के बीच बुनियादी भेद क्या हैं?
What are the basic differences between Gandhi and Ambedkar regarding caste system in India? 15

(c) 'न्याय' की मीमांसा के रूप में, अमर्त्य सेन के 'नीति' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। 15
Discuss Amartya Sen's principle of *Nīti* as a critique of *Nyāya.*

4. (a) "सभी मानव अधिकार व्यक्तिक अधिकारों पर केन्द्रित हैं।" चर्चा कीजिए। 20
"All human rights are centred on individual rights." Discuss.

(b) बहुसंस्कृतिवाद पर वर्णनात्मक और आदर्शक संदर्शों की व्याख्या कीजिए। 15
Explain descriptive and normative perspectives on multiculturalism.

(c) धर्मतन्त्र की तुलना में, लोकतन्त्र किस मायने में सरकार का एक बेहतर रूप है? 15
In what sense is democracy a better form of Government than theocracy?

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में आलोचनात्मक विवेचन कीजिए : 10×5=50
Discuss the following critically in about *150* words each :

(a) यदि ईश्वर को 'एक' माना जाए, तो क्या इससे धार्मिक द्वन्द्व उत्पन्न होंगे?
If God is regarded as 'One', will it give rise to religious conflicts?

(b) किन आधारों पर 'है' और 'चाहिए' का विरोधाभास स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकता है?
On what grounds, the dichotomy between 'is' and 'ought' can either be justified or rejected?

(c) आत्मा की अमरता के पक्ष में कौन-से तर्क दिए जाते हैं?
What are the arguments given in favour of the immortality of the Soul?

(d) क्या बहुतत्त्ववादी (प्लुरलिस्ट) दृष्टिकोण निरपेक्ष सत्य की प्रतिरक्षा कर सकता है?
Can pluralist perspective vindicate Absolute Truth?

(e) 'पुनर्जन्म' को आत्मा के साथ या उसके बिना आप किस प्रकार सिद्ध कर सकते हैं?
How do you justify 'rebirth' with or without the Soul?

6. (a) धार्मिक नैतिकता किस सीमा तक व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समाहित कर सकती है? 20
How far can religious morality incorporate individual freedom?

(b) धार्मिक भाषा का आप निस्संज्ञानात्मक (नॉन्-कॉग्निटिव) रूप में किस प्रकार निरूपण करते हैं? 15
How do you formulate religious language as non-cognitive?

(c) क्या ईश्वर के 'प्रत्यय' को तो स्वीकार करना परंतु ईश्वर के 'अस्तित्व' को नकारना आत्म-व्याघाती हो सकता है?
Can it be self-contradictory to accept the 'idea' of God but deny the 'existence' of God? 15

7. *(a)* क्या हितकारी ईश्वर के साथ अशुभ (इविल) समाधेय है?

Is evil reconcilable with the benevolent God? 20

(b) ईश्वर के अस्तित्व के लिए विश्व-कारण-युक्ति (कॉस्मोलॉजिकल आर्गुमेंट) की विवेचना कीजिए तथा उसके गुण व दोष बताइए।

Discuss cosmological argument for the existence of God, and show its merits and demerits. 15

(c) 'अद्वैत' तथा 'विशिष्टाद्वैत' के अनुसार मोक्ष (लिबरेशन) की संकल्पना के बीच साम्य और वैषम्य दर्शाइए।

Compare and contrast the concept of liberation according to 'Advaita' and 'Viśiṣṭādvaita'. 15

8. *(a)* 'अंतर्वर्तिता' (इमनेंस) और 'अनुभवातीतता' (ट्रांसेंडेंस) के मध्य जगत् में मनुष्य की प्रस्थिति को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

Elucidate the status of man in the realm between 'immanence' and 'transcendence'. 20

(b) क्या आस्था को उचित सिद्ध करने के लिए तर्क का उपयोग किया जा सकता है?

Can reason be used to justify faith? 15

(c) बौद्ध एवं जैन दर्शन के विशेष उल्लेख के साथ, धार्मिक अनुभवों की परस्पर विरोधी प्रकृति पर चर्चा कीजिए।

Discuss the conflicting nature of religious experiences with special reference to Buddhism and Jainism. 15

★★★

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) "समता का अर्थ प्रत्येक के साथ सम बरताव करना नहीं है।" चर्चा कीजिए।
"Equality does not mean treating everyone equal." Discuss.

(b) क्या लोकतांत्रिक राज्य में सविनय अवज्ञा तर्कसंगत है? विवेचना कीजिए।
Is civil disobedience in a democratic State justifiable? Discuss.

(c) संप्रभुता की हैरॉल्ड लास्की की मीमांसा की विवेचना कीजिए।
Explain Harold Laski's critique of sovereignty.

(d) लोकतंत्र में व्यक्तिगत एवं सामूहिक अधिकारों का किस प्रकार समाधान किया जाता है? स्पष्ट कीजिए।
How are individual and group rights reconciled in democracy? Explain.

(e) "असाम्यिक विकास सामाजिक प्रगति के बजाय सामाजिक संघर्षों की ओर ले जाता है।" व्याख्या कीजिए।
"Inequitable development leads to social conflicts rather than social progress." Explain.

2. *(a)* स्त्री-पुरुष भेदभाव का तात्पर्य क्या है? क्या यह समता और सामाजिक न्याय का उल्लंघन नहीं है? विवेचना कीजिए।
What does gender discrimination mean? Is it not a violation of equality and social justice? Discuss. 15

(b) क्या महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण स्त्री-पुरुष भेदभाव का विलोपन कर देता है? विवेचना कीजिए।
Does economic empowerment of women eliminate gender discrimination? Discuss. 15

(c) जाति-व्यवस्था की अम्बेदकर की समालोचना का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate Ambedkar's critique of caste system. 20

3. *(a)* क्या बहुसंस्कृतिवाद वैश्विक समाज की एक आवश्यकता है? विवेचना कीजिए।
Is multiculturalism a need of global society? Discuss. 15

(b) "दण्ड का उद्देश्य नैतिक कानून की रक्षा करना और अपराधी के साथ न्याय करना है।" विवेचना कीजिए।
"The aim of punishment is to defend the moral law and to do justice to criminal." Discuss. 15

(c) संसदीय लोकतंत्र के स्वरूप और प्रकार्यों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the nature and functions of parliamentary democracy. 20

4. *(a)* "मानव के लिए आवश्यक है कि वह भौतिक और साथ-ही-साथ आध्यात्मिक रूप से विकसित होता जाय।" अम्बेदकर के इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।
"Man must grow materially as well as spiritually." Evaluate this statement of Ambedkar. 15

(b) "भाईचारे और स्वतंत्रता के बिना समता का कोई मूल्य नहीं होगा।" विवेचना कीजिए।
"Equality will be of no value without fraternity and liberty." Discuss. 15

(c) धार्मिक राष्ट्रवाद धर्मनिरपेक्ष राज्य के लिए किस प्रकार खतरा होता है? स्पष्ट कीजिए।
How is religious nationalism a threat to secular State? Explain. 20

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) ईश्वर के गुणों पर एक समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।
Write a critical note on the attributes of God.

(b) क्या किसी धर्म की अतिजीविता के लिए ईश्वर का अस्तित्व एक आवश्यक शर्त है? व्याख्या कीजिए।
Is existence of God a necessary condition for the survival of religion? Explain.

(c) क्या नैतिकता आवश्यक रूप से धर्म पर आधारित होती है? विवेचना कीजिए।
Is morality necessarily based on religion? Discuss.

(d) क्या ईश्वर 'प्राकृतिक अशुभ' का कारण है? चर्चा कीजिए।
Is God the cause of *natural evil*? Explain.

(e) क्या 'आस्था' और 'तर्कबुद्धि' साथ-साथ चलते हैं? चर्चा कीजिए।
Do *faith* and *reason* go together? Discuss.

6. *(a)* धार्मिक भाषा को किस प्रकार सत्यापित किया जा सकता है? क्या यह कहना सही है कि धार्मिक भाषा सत्यापित होती है, क्योंकि इसे मिथ्यापित नहीं किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
How can the religious language be verified? Is it correct to say that religious language is verified because it cannot be falsified? Discuss. 20

(b) हिन्दू धर्म और इस्लाम में रहस्यवाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
Explain the nature of mysticism in Hinduism and Islam. 15

(c) क्या 'श्रुति या इलहाम' को 'तर्कबुद्धि' के द्वारा तर्कसंगत सिद्ध किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
Can *revelation* be justified by *reason*? Discuss. 15

7. *(a)* क्या आपके विचार में बुराई एक ऐसी कड़वी दवागोली है, जिसको कोई भी ईश्वरवादी आसानी से निगल नहीं सकता है? विवेचना कीजिए।
Do you think that evil is a bitter pill which no theist can easily swallow? Discuss. 15

(b) "अमरता का तात्पर्य 'कर्म' और 'पुनर्जन्म' की अनुपस्थिति का होना है।" विवेचना कीजिए।
"Immortality means absence of *Karma* and *Rebirth*." Discuss. 15

(c) ईश्वर की सत्ता के पक्ष में 'न्याय' के तर्कों का परीक्षण कीजिए।
Examine the *Nyāya* arguments in favour of the existence of God. 20

8. *(a)* "नैतिक मूल्यों से वंचित धार्मिक मनुष्य की अपेक्षा एक अनीश्वरवादी व्यक्ति अधिक उम्दा मनुष्य हो सकता है।" विवेचना कीजिए।

"An atheist may be a better man than a religious person bereft of moral values." Discuss. 15

(b) ईश्वर के अस्तित्व के पक्ष में दिए जाने वाले 'सत्तामीमांसीय' और 'ब्रह्मांडमीमांसीय' तर्कों का परीक्षण कीजिए।

Examine the *ontological* and *cosmological* arguments in favour of the existence of God. 15

(c) मोक्ष क्या है? 'वेदांत' संप्रदाय के अनुसार इसकी प्राप्ति के साधनों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

What is liberation? Briefly discuss the ways to attain it as outlined in the systems of Vedānta. 20

★ ★ ★

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : **Three Hours***	अधिकतम अंक : 25 *Maximum Marks : 25*

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को सावधानीपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उ प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempt choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a questi shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

. **निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :**

Answer all of the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) "संप्रभुता नागरिकों तथा प्रजा पर सर्वोच्च शक्ति है, जो विधि द्वारा परिबाधित नहीं है ।" विवेचना कीजिए ।

"Sovereignty is the supreme power over citizens and subjects, unrestrained by law." Discuss. *10*

(b) राउल्स के अनुसार सुव्यवस्थित समाज न्याय की जन अवधारणा द्वारा प्रभावी रूप से नियमित होता है । क्या आप इससे सहमत हैं ? कारण स्पष्ट कीजिए ।

A well-ordered society, according to Rawls, is effectively regulated by a public conception of justice. Do you agree ? Give reasons. *10*

(c) "समाजवाद स्वयं में लोकतंत्र की पूर्णता है ।" विश्लेषण कीजिए ।

"Socialism itself is the fulfilment of democracy." Analyse. *10*

(d) इस कथन का मूल्यांकन कीजिए कि प्रत्येक मानव को कुछ अविच्छेद्य (अदेय) अधिकार प्राप्त हैं ।

Evaluate the statement that all human beings have certain unalienable rights. *10*

(e) "दंडित करने का उद्देश्य व्यक्ति में सुधार लाना होना चाहिए ।" टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए ।

"The goal in punishing should be to reform the individual." Comment. *10*

. (a) क्या स्वतन्त्रता आत्मज्ञान प्राप्ति के लिए सकारात्मक एवं समान अवसर है ? विवेचना कीजिए ।

Is liberty a positive and equal opportunity of self-realization ? Discuss. *15*

(b) किन आधारों पर लैस्की ने संप्रभुता से संबद्ध ऑस्टिन की अवधारणा की आलोचना की ?

On what grounds does Laski criticize Austin's concept of sovereignty ? *15*

(c) "स्वतन्त्र भाषण के अधिकार में न्यायपालिका की प्रामाणिक स्वतन्त्रता अंतर्निहित है और यह उसे कार्यपालिका से पूर्णत: अलग करता है ।" मूल्यांकन कीजिए ।

"The right of free speech implies the genuine independence of the judiciary and its complete separation from the executive." Evaluate. *20*

Q3. (a) क्या हम राज्य को शासक वर्गों की इच्छाओं को व्यक्त करने की संस्था मानते हैं ? परीक्षण कीजिए ।

Is the State an agency for expressing the will of the ruling classes ? Examine. *20*

(b) "प्रभुत्व से मुक्ति" को क्या हम बहुसांस्कृतिकवाद के लिए एक वजह (औचित्य) मान सकते हैं ? कारणों सहित अपना उत्तर प्रस्तुत कीजिए ।

Can we consider "freedom from domination" as one of the justifications for multiculturalism ? Give reasons for your answer. *15*

(c) क्या यह सम्भव है कि सामाजिक प्रगति का मापन आर्थिक विकास के इतर (स्वतंत्र) कर लिया जाए ? विवेचना कीजिए ।

Is it possible to measure social progress independent of economic development ? Discuss. *15*

Q4. (a) "जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है मैं नारीत्व को कमज़ोर लिंग नहीं मानता । यह दोनों में से अधिक महान् है ।" गाँधी के इस कथन का मूल्यांकन कीजिए ।

"To me the female sex is not the weaker sex. It is the nobler of the two." Evaluate this statement of Gandhi. *15*

(b) क्या आप सहमत हैं कि सामूहिक मीमांसा तथा निर्णयन के द्वारा महिलाएँ सशक्त हो सकती हैं ? विवेचना कीजिए ।

Do you agree that women become empowered through collective reflection and decision-making ? Discuss. *15*

(c) ऐतिहासिक तथा सामाजिक परिप्रेक्ष्यों के आधार पर अम्बेडकर ने जाति व्यवस्था का किस प्रकार विश्लेषण किया ? व्याख्या कीजिए ।

How did Ambedkar analyse the caste system from the historical and social perspectives ? Explain. *20*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) 'आधुनिक संवेदनशीलता तथा निरंकुश ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण' एक-साथ नहीं चल सकते हैं । इस विचार पर अपनी समालोचना प्रस्तुत कीजिए ।
Critically discuss the view that 'modern sensibility and total obedience to a despotic God' do not go hand in hand. *10*

(b) "विश्व-धर्म एक प्रकार से आध्यात्म एवं मानवता का सम्मिश्रण है ।" मूल्यांकन कीजिए ।
"World-religion is a spiritualistic and humanistic composite." Evaluate. *10*

(c) क्या धार्मिक निरपेक्षवाद धार्मिक बहुतत्त्ववाद के लिए ख़तरा है ? विवेचना कीजिए ।
Is Religious absolutism a threat to Religious pluralism ? Discuss. *10*

(d) बौद्ध धर्म आत्मा के अमरत्व पर विश्वास नहीं करता, परन्तु पुनर्जन्म की घटना पर विश्वास करता है । परीक्षण कीजिए ।
Buddhism disbelieves in the immortality of soul, but accepts the phenomenon of rebirth. Examine. *10*

(e) आस्था का अर्थ ईश्वर के प्रति मानव की जागरूकता है; परन्तु यह विवेकहीन नहीं हो सकता । विश्लेषण कीजिए ।
Faith means human awareness of God; but it cannot be irrational. Analyse. *10*

Q6. (a) *श्रुति* मूर्त रूप में वक्तव्यों या प्रतिज्ञप्तियों में व्यक्त की गई सत्यों से बनी होती है । परन्तु यह *तर्क* से परे नहीं हो सकती है । विवेचना कीजिए ।
The content of *revelation* is a body of truths expressed in statements or propositions. But it cannot be against *reason*. Discuss. *15*

(b) प्राच्य (पूर्वी) धर्मों में मानव और संसार की तुलना तथा विषमता प्रस्तुत कीजिए ।
Compare and contrast the relation of man to the world in the oriental religions. *20*

(c) दर्शाइए कि ईश्वर के *अन्तर्यामित्व* (अंतर्वर्तिता) तथा *इंद्रियातीत* गुण किस तरह उनके *सर्वव्यापकता* तथा *अनन्तता* को प्रदर्शित करते हैं ।
Show how the attributes of *immanence* and *transcendence* of God go with *omnipresence* and *infinitude*. *15*

Q7. (a) रहस्यवादी अनुभव की प्रकृति तथा वैधता का उल्लेख एवं मूल्यांकन कीजिए ।
State and evaluate the nature and validity of mystic experience. *20*

(b) "नैतिकता के सिद्धान्त तब अधिक कारगर होंगे जब वे किसी धर्म से स्वाधीन तथा असम्बद्ध हों ।" विवेचना कीजिए ।
"Moral principles function better when they remain independent and unconnected with religion." Discuss. *15*

(c) "यह कहना ही स्वत: विरोधाभासी होगा कि कल्पना की जा सकने वाली सर्वाधिक सिद्ध सत्ता में अस्तित्व में होने के लक्षणों का अभाव होता है ।" विश्लेषण कीजिए ।
"It would be self-contradictory to say that the most perfect conceivable being lacks the attribute of existence." Analyse. *15*

Q8. (a) "यदि ईश्वर सर्वशक्तिमान है, तब तो सभी प्रकार की बुराइयों को समाप्त करने की ईश्वर की इच्छा अवश्य रही होगी; परन्तु संसार में नैतिक तथा प्राकृतिक बुराइयाँ उग्र रूप से प्रचलित हैं ।" एक ईश्वरवादी/आस्तिक की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी ?
"If God is all-powerful, God must wish to abolish all evils; but moral and natural evils are rampant in the world." How would a theist react to this ? *20*

(b) धार्मिक भाषा से सम्बन्धित विभिन्न विचारों के मध्य कौन-सा विचार अधिक संतोषजनक है तथा क्यों ?
Among the different views of religious language, which one is more satisfactory and why ? *15*

(c) "प्रकृति की दुनिया उतनी ही जटिल तथा स्पष्टत: रूपांकित है जितनी कि एक घड़ी ।" मूल्यांकन कीजिए ।
"The natural world is as complexly and manifestly designed as a watch." Evaluate. *15*

CS (MAIN) Exam : 2017

STH-D-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे	*अधिकतम अंक : **250***
*Time Allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) अराजकता के संदर्भ में चर्चा कीजिए कि क्या व्यक्ति की स्वतंत्रता राज्य की संप्रभुता के संगत है अथवा नहीं ।

Discuss in the context of anarchy whether the freedom of an individual is consistent with the sovereignty of the State. *10*

(b) चर्चा कीजिए कि क्या नागरिकों और राज्य के लिए शासन को बेहतर बनाने हेतु, राजतंत्र का लोकतंत्र के साथ सम्मिश्रण कर देना, उनकी अवांछनीय त्रुटियों से बचने के लिए, कल्पनीय है ।

Discuss whether a blending of monarchy with democracy is conceivable to avoid their undesirable defects for making the governance better for citizens and State. *10*

(c) क्या जाति भेदभाव समाज के विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की या धार्मिक अनुष्ठानों की श्रेष्ठता मनोग्रंथि का नतीजा है ? डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा प्रतिपादित विचारों के संदर्भ में चर्चा कीजिए ।

Is caste discrimination a result of the superiority complex of a privileged class of the society or of religious rituals ? Discuss with reference to the views propounded by Dr. B.R. Ambedkar. *10*

(d) अधिकारों और कर्तव्यों में से कौन दूसरे का प्राथमिक है ? जवाबदेही के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Out of rights and duties, which one is prior to the other ? Discuss in the context of accountability. *10*

(e) लोकतांत्रिक समता और समता की मार्क्सवादी धारणा के बीच मौलिक भिन्नता के विभिन्न पक्षों पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the different aspects of the fundamental distinction between democratic equality and the Marxian notion of equality. *10*

Q2. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि पाश्चात्य आदर्श के रूप में धर्मनिरपेक्षता भारत के संदर्भ में अनावश्यक है ? बहु-सांस्कृतिक भारतीय समाज के संदर्भ में इस पर चर्चा कीजिए ।

Do you agree with the view that secularism as a western ideal is redundant in the Indian context ? Discuss in the context of the multicultural Indian society. *20*

(b) समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए कि क्या सामाजिक प्रगति का आदर्श अपने कर्तव्यों पर व्यक्ति की स्वतंत्रता को गौण महत्त्व देता है ।

Critically evaluate whether the ideal of social progress gives a secondary significance to an individual's freedom over his duties. *15*

(c) चर्चा कीजिए कि क्या सम्प्रभुता की कौटिल्य की संकल्पना स्वेच्छाचारी शासन में परिवर्तित हो जाती है । बोडिन की संकल्पना से यह किस हद तक तुलनीय है ? विवेचना कीजिए ।

Discuss whether Kautilya's concept of sovereignty turns into a despotic rule. How far is it comparable to Bodin's concept ? Discuss. *15*

Q3. (a) क्या सामाजिक न्याय के संरक्षण के नाम पर मार्क्सवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रतिबन्धित करता है ? विवेचना कीजिए ।

Does Marxism curb individual freedom in the name of protecting social justice ? Discuss. *20*

(b) बलात्कार, हत्या और भ्रष्टाचार जैसे अपराधों के लिए क्या आप मृत्युदण्ड को उचित सिद्ध कर सकते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Can you justify capital punishment for crimes like rape, murder and corruption ? Discuss. *15*

(c) क्या महिलाओं का सशक्तिकरण भूमि, सम्पत्ति और विवाह-विच्छेद के लिए उनके समान अधिकारों का एक पर्याप्त साधन है ? धार्मिक संस्वीकृतियों के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Is empowerment of women a sufficient means to their equal rights to land, property and divorce ? Discuss in the context of religious sanctions. *15*

Q4. (a) आर्थिक एवं राजनीतिक आदर्शों पर आधारित सामाजिक प्रगति की संकल्पना के विरुद्ध नैतिक सिद्धान्तों में निहित सामाजिक विकास की संकल्पना का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the concept of social development as rooted in ethical principles against the concept of social progress being based on economic and political ideals. *20*

(b) भारतीय लोकतंत्र में न्याय की संकल्पना पर मार्क्स, गाँधी और अमर्त्य सेन किस हद तक सहमत या असहमत हैं ? विवेचना कीजिए ।

How far do Marx, Gandhi and Amartya Sen agree and disagree on the concept of justice in the Indian democracy ? Discuss. *15*

(c) क्या महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के लिए कठोर दण्ड समाज की मानसिकता को बदल देगा ? अपने पक्ष के औचित्य को प्रमाणित कीजिए ।

Will a severe punishment for crimes against women change the mind-set of society ? Justify your position. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) क्या प्रतिबद्ध धार्मिक व्यक्ति सामाजिक नैतिकता के विरुद्ध आचरण करता है ? नैतिक दृष्टि से विवेचना कीजिए ।

Does a committed religious person go against social morality ? Discuss from the moral perspective. *10*

(b) आप अनिष्ट के अ-धर्मशास्त्रीय संप्रत्यय को किस प्रकार परिभाषित करते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How do you define a non-theological concept of evil ? Explain. *10*

(c) क्या धर्म के लिए ईश्वर का होना आवश्यक है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

Is God necessary for religion ? Justify your answer. *10*

(d) चर्चा कीजिए कि क्या आत्मा के अमरत्व का सिद्धांत धर्म के लिए अपरिहार्य है ।

Discuss whether the doctrine of immortality of soul is indispensable for a religion. *10*

(e) दर्शन की योग प्रणाली में मनुष्य के ईश्वर के साथ संबंध पर समालोचनात्मक चर्चा कीजिए ।

Critically discuss the relationship of man with God in the Yoga system of philosophy. *10*

Q6. (a) क्या जीवन के प्रति धर्मशास्त्रीय और ग़ैर-धर्मशास्त्रीय दृष्टिकोणों में मोक्ष की संकल्पना में कोई मौलिक भेद है ? चर्चा कीजिए ।

Is there an essential difference between the concept of Liberation in theological and non-theological approaches to life ? Discuss. *20*

(b) क्या धर्म परम सत्य की गारंटी प्रदान करता है ? धार्मिक बहुलवाद के संदर्भ में विवेचना कीजिए ।

Does religion guarantee the absolute truth ? Discuss in the context of religious pluralism. *15*

(c) ईश्वर के अस्तित्व के लिए सृष्टि-कारण युक्ति के विभिन्न रूपों के बीच समानता और वैषम्य दिखाइए ।

Compare and contrast the different forms of cosmological argument for the existence of God. *15*

Q7. (a) क्या सादृश्यों की भाषा अधिक संभ्रांतिकारी और प्रतीकों की भाषा अधिक अबुद्धिगम्य नहीं होती है ? धार्मिक भाषा के मामले में इसका मूल्यांकन कीजिए ।

Is not the language of analogies more confusing and the language of symbols more unintelligible ? Evaluate it in the case of a religious language. *20*

(b) सामाजिक रीतियों की ग़ैर-धर्मशास्त्रीय प्रणाली में परम नैतिक मूल्यों का प्राधिकार और स्वीकृति क्या होगी ? चर्चा कीजिए ।

What will be the authority and acceptance of the absolute ethical values in the non-theological system of social practices ? Discuss. *15*

(c) चर्चा कीजिए कि क्या आस्था की स्वैच्छिकतावादी थियोरियाँ पर्याप्त हैं ।

Discuss whether the voluntarist's theories of faith are adequate. *15*

Q8. (a) क्या शाश्वत माने जाने वाले धार्मिक आदर्शों, सिद्धान्तों और रीतियों, आदि के बारे में कोई धार्मिक व्यक्ति लचीला दृष्टिकोण अपना सकता है ? क्या यह धर्म को प्रगतिशील बनाएगा या उसके प्राधिकार को ध्वस्त कर देगा ? समीक्षात्मक विवेचना कीजिए ।

Can a religious person take an elastic view about religious ideals, principles and practices, etc. which are supposed to be eternal ? Will it make the religion progressive or will it demolish its authority ? Discuss critically. *20*

(b) ईश्वर की ग़ैर-धर्मशास्त्रीय संकल्पना क्या है ? वह ईश्वर की धर्मशास्त्रीय संकल्पना से कैसे भिन्न है ? तर्क सहित विवेचना कीजिए ।

What is a non-theological concept of God ? How is it different from a theological concept of God ? Discuss with arguments. *15*

(c) धार्मिक अनुभूतियों की अभिव्यक्तियों को संप्रेषणीय बनाने के लिए किस प्रकार की भाषा की संरचना करने और उपयोग करने की आवश्यकता है ? व्याख्या कीजिए ।

In order to make expressions of religious experiences communicable, what kind of language needs to be constructed and used ? Explain. *15*

CS (MAIN) EXAM:2018

EGT-D-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : ***Three*** *Hours*

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***5*** *अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम* ***एक*** *प्रश्न चुनकर किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in* ***TWO SECTIONS*** *and printed both in* ***HINDI*** *and in* ***ENGLISH****.*

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining, any* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A
SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) उदारवादी लोकतंत्र से क्या अभिप्राय है ? क्या सामाजिक संसक्ति का वैयक्तिक अधिकारों की अपनी प्रबल अभिपुष्टि के साथ संतुलन बैठाने के लिए, इसको अपेक्षाकृत अधिक गहन सिद्धांतों की आवश्यकता है ? भारतीय सन्दर्भ से कारण प्रस्तुत कीजिए ।

What is meant by liberal democracy ? Does it require deeper principles for social cohesion to balance its own strong affirmation of individual rights ? Give reasons from the Indian context. *10*

(b) क्या आप इस मत का समर्थन करते हैं कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान के लिए, बहुसंस्कृतिवाद के सिद्धांतों तथा प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा के प्रति आदरभाव का समाकलन करने की आवश्यकता है ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

Do you subscribe to the view that Indian cultural identity needs to integrate the principles of multi-culturalism and respect for the dignity of each person ? Justify your answer. *10*

(c) यह कहा जाता है कि भारत के सामाजिक व्यवहार पर जाति-आधारित समूहों की पारंपरिक पकड़, विकल्पी पहचानों का निर्माण करने के सभी प्रयासों के बावजूद, बनी रही है । मोहनदास करमचंद गाँधी के आलोक में चर्चा कीजिए ।

It is said that the traditional hold of caste-based groups on Indian social behaviour has survived all attempts to build alternate identities. Discuss in the light of M.K. Gandhi. *10*

(d) 'दण्ड-नीति' के आलोक में, कौटिल्य की संप्रभुता की संकल्पना पर चर्चा कीजिए ।

Discuss Kautilya's concept of sovereignty in the light of 'Danda-neeti'. *10*

(e) भारत के लोकतंत्र में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए आप क्या उपाय सुझाते हैं ?

What measures do you suggest to eradicate corruption in Indian democracy ? *10*

Q2. (a) स्वतंत्रता और समता को किस सीमा तक लोकतंत्र के विशिष्ट अभिलक्षणों के रूप में माना जा सकता है ? विवेचना कीजिए ।

How far can liberty and equality be considered as distinctive features of democracy ? Discuss. *20*

(b) संप्रभुता पर लास्की के विचार का, राजनीतिक थियोरी में एक संतोषजनक स्थिति के रूप में, समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Critically evaluate Laski's view on sovereignty as a satisfactory position in political theory. *15*

(c) क्या आप अराजकतावादियों की राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करते हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

Do you subscribe to the political ideology of Anarchists ? Justify your answer. *15*

Q3. (a) बहुसंस्कृतिवाद से आप क्या समझते हैं ? वैश्वीकरण और बहुसंस्कृतिवाद किस प्रकार एक-दूसरे से संबंधित हैं ? उनका संबंध किस प्रकार सांस्कृतिक परिवर्तनों को प्रभावित करता है ?

What do you understand by multi-culturalism ? How are globalization and multi-culturalism related ? How does their relationship affect cultural changes ? *20*

(b) क्या मार्क्सवादी समाजवाद और वैयक्तिक स्वतंत्रता सुसंगत हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Are Marxian Socialism and individual freedom consistent ? Discuss critically. *15*

(c) वर्तमान काल के सन्दर्भ में, मानवतावाद के किस रूप को, आप प्रासंगिक मानते हैं ? विस्तार से विवेचना कीजिए ।

What form of humanism do you approve as relevant in the present day context ? Discuss in detail. *15*

Q4. (a) "मानव अधिकार और मानव गरिमा अब भविष्य में किसी एक विशेष संस्कृति की उपज नहीं होंगे, बल्कि वे एक आदर्श विश्व के लिए सामूहिक मानवीय अभिलाषा की उपज होंगे ।" चर्चा कीजिए ।

"Human rights and human dignity would no longer be the product of a particular culture, rather a common human aspiration for an ideal world." Discuss. *20*

(b) स्त्री-भ्रूणहत्या के सन्दर्भ में, स्त्री-पुरुष भेदभाव का आप किस प्रकार मूल्यांकन करते हैं ?

How do you evaluate gender discrimination in the context of female foeticide ? *15*

(c) क्या नारी अधिकारवाद सशक्तिकरण के लिए या कि समता के लिए एक विचारधारा है ? विवेचना कीजिए ।

Is feminism an ideology for empowerment or for equality ? Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) किस अर्थ में, भाषा का धर्मनिरपेक्ष उपयोग भाषा के धार्मिक उपयोग से भिन्न है ? चर्चा कीजिए ।

In what sense is the secular use of language different from the religious use of language ? Discuss. *10*

(b) यह तर्क प्रस्तुत करना कि पुनर्जन्म की संकल्पना पर ईश्वर-विरोधी धार्मिक विचार दार्शनिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, किस सीमा तक युक्तिसंगत है ?

How far is it plausible to argue that the anti-theistic religions' stand on the concept of rebirth is philosophically significant ? *10*

(c) क्या आप ईश्वरविहीन धर्म को उचित सिद्ध कर सकते हैं ? अपने उत्तर के लिए समर्थन (आधार) प्रस्तुत कीजिए ।

Can you justify religion without God ? Support your answer. *10*

(d) क्या कोई यह दावे के साथ कह सकता है कि 'धार्मिकता' और 'अनैतिकता' के बीच अन्त:संबंध है ? विवेचना कीजिए ।

Can one claim that there is an inter-relatedness between 'religiosity' and 'immorality' ? Discuss. *10*

(e) क्या हिन्दूधर्म बहुदेववादी है ? अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए ।

Is Hinduism poly-theistic ? Give reasons for your answer. *10*

Q6. (a) विभिन्न धर्मों के परस्पर-विरोधी सत्यता दावों के संबंध में अनन्यता, समावेशिता और बहुतत्त्ववाद के बीच विभेदन कीजिए ।

Distinguish between Exclusivism, Inclusivism and Pluralism with regard to the conflicting truth-claims of different religions. *20*

(b) "सत्य एक है, फिर भी लोग इसको अलग-अलग रूपों में अनुभव करते हैं ।" आधुनिक भारतीय सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए इसका समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

"Truth is one, yet people perceive differently." Critically evaluate by considering the present Indian context. *15*

(c) क्या ईश्वर की संकल्पना के लिए ईश्वर का अस्तित्व आवश्यक है ? सत्तामूलक (प्रत्यय-सत्ता) युक्ति के संदर्श से परीक्षण कीजिए ।

Does the concept of God entail the existence of God ? Examine from the perspective of ontological argument. *15*

Q7. (a) 'पवित्र' और 'पावन' शब्द धर्म के उद्देश्य के लिए जातिवाचक नाम के तौर पर इस्तेमाल किए जाने लगे हैं । क्या आप सहमत हैं कि धर्म के उद्देश्य (विषय-वस्तु) के रूप में, ईश्वर को स्वीकारा जा सकता है ? विवेचना कीजिए ।

The terms 'Sacred' and 'Holy' have come to serve as generic names for the object of religion. Do you agree that one can have God as the object of religion ? Discuss. *20*

(b) धार्मिक भाषा की ब्रेथवेट की असंज्ञानात्मक थियोरी का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine Braithwaite's non-cognitive theory of religious language. *15*

(c) मोक्ष प्राप्ति के पथ के रूप में, भक्ति की संकल्पना का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the concept of Bhakti (Devotion) as a pathway to attain liberation. *15*

Q8. (a) सन्त थॉमस एक्विनास के ईश्वरीय ज्ञान के पाँच मार्गों की भारतीय दर्शन के न्याय संप्रदाय के ईश्वर के अस्तित्व के तर्कों के साथ तुलना कीजिए ।

Compare St. Thomas Aquinas' five ways of knowing God with the arguments of the Nyāya School of Indian Philosophy for the existence of God. *20*

(b) जगत के सृष्टिकर्ता के रूप में, ईश्वर के अस्तित्व के विरुद्ध, बौद्धमत के तर्कों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Critically evaluate the Buddhistic arguments against the existence of God as the creator of the world. *15*

(c) धार्मिक प्रतीकों के वैशिष्ट्य के विश्वातीत सन्दर्भ के रूप में महत्त्व को स्पष्ट कीजिए, जो सांस्कृतिक, आकाशीय व पार्थिव जगत में मध्यस्थता स्थापित करते हैं ।

Explain the significance of religious symbols as transcendent referent that mediates into the cultural, spatial and temporal world. *15*

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे
*Time Allowed : **Three** Hours*

अधिकतम अंक : **250**
*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आपके विचार में, जॉन रॉल्स प्लेटो की न्याय की संकल्पना को किस सीमा तक जारी रखे हुए है ?

How far do you think John Rawls is continuing with Plato's concept of justice ? *10*

(b) आधुनिक धर्मनिरपेक्ष राज्य में, धर्मतंत्र की स्थिति पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the status of theocracy in the modern secular state. *10*

(c) राजनीतिक अराजकतावादी के रूप में, महात्मा गाँधी का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate Mahatma Gandhi as a political anarchist. *10*

(d) क्या भ्रष्टाचार सामूहिक हिंसा का एक रूप नहीं है ? चर्चा कीजिए ।

Is corruption not a form of mass violence ? Discuss. *10*

(e) क्या स्त्री-पुरुष समानता को समाजवादी शासन-प्रणाली में साकार किया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

Can gender equality be realised within a socialist regime ? Analyse. *10*

Q2. (a) क्या अधिकार नागरिकों को राज्य के प्रति जवाबदेह बनाते हैं ? वर्तमान भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

Do rights make citizens accountable to the State ? Argue in the context of the present Indian scenario. *20*

(b) बहुसांस्कृतिकता के विचारों पर वर्णनात्मक एवं आदर्शक परिप्रेक्ष्य क्या-क्या हैं ?

What are the descriptive and normative perspectives on ideas of multiculturalism ? *15*

(c) क्या प्रौद्योगिकीय विकास, समाज के नैतिक मानकों में प्रगति की ओर ले जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

Does technological development lead to progress in the ethical standards of the society ? Explain. *15*

Q3. (a) चर्चा कीजिए कि ऑस्टिन की संप्रभुता की संकल्पना कौटिल्य की संप्रभुता की संकल्पना के साथ कहाँ तक मेल खाती है ।

Discuss how far does Austin's concept of sovereignty go along with Kautilya's concept of sovereignty. *20*

(b) समालोचनापूर्वक विचार कीजिए कि स्त्री-पुरुष भेदभाव वास्तव में मनुष्य-निर्मित संकल्पना है न कि प्रकृति के द्वारा प्रदान किया गया है ।

Consider critically, that gender discrimination is a rather man-made concept but not naturally endowed. *15*

(c) आपके विचार में प्रचलित मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, मार्क्सवाद का भविष्य क्या है ?

What do you consider to be the future of Marxism in the context of the prevalent free market economy ? *15*

Q4. (a) परीक्षण कीजिए कि क्या धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र की दार्शनिक आधारभूमि के बारे में महात्मा गाँधी और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों में कोई भेद है अथवा नहीं है ।

Examine whether there is any difference between the views of Mahatma Gandhi and Dr. Babasaheb Ambedkar on the philosophical foundations of secular democracy. *20*

(b) क्या स्वतंत्रता, समता को परिसीमाओं में बाँधती है ? चर्चा कीजिए ।

Does liberty put limitations to equality ? Discuss. *15*

(c) क्या मृत्युदण्ड सामाजिक न्याय के सिद्धांत को निर्बल बनाता है ? चर्चा कीजिए ।

Does capital punishment weaken the doctrine of social justice ? Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आत्मानुभूति प्रकटन में साधनरूप क्या है : आस्था या तर्क ? अपने मत की पुष्टि कीजिए ।

What is instrumental to self-revelation : Faith or Reason ? Justify your position. *10*

(b) क्या आज के वैश्वीकरणी संसार में धर्म मानवता के लिए एक एकीकारी बल है ? चर्चा कीजिए ।

Is religion a uniting force for humanity in the globalizing world as of today ? Discuss. *10*

(c) क्या धर्म के नाम पर हिंसा के समर्थन में कोई दार्शनिक तर्क संभव है ? चर्चा कीजिए ।

Can there be a philosophical argument to support violence in the name of religion ? Discuss. *10*

(d) क्या धार्मिक जीवन प्रणाली में निष्ठावान् प्रतिबद्धता मनुष्य को सामाजिक नैतिकता से पथभ्रष्ट कर देती है ? परीक्षण कीजिए ।

Does a devoted commitment to a religious way of life make man go astray from social morality ? Examine. *10*

(e) जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रतिपादित प्रमाणों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the proofs for the existence of God as propounded in Jainism. *10*

Q6. (a) चर्चा कीजिए कि धार्मिक प्रतीकवाद रहस्यवाद को जन्म देता है अथवा नहीं और कैसे जन्म देता है ।

Discuss whether and how does religious symbolism lead to mysticism. *20*

(b) अहित एवं अपवित्र की अवधारणाएँ धर्म को मज़बूत नींव प्रदान करने में क्या भूमिका निभाती हैं ?

What role do the concepts of evil and profane play to provide a firm foundation to religion ? *15*

(c) एक धार्मिक व्यक्ति कैसे ईश्वरविहीन धर्म की संभावना से इनकार करेगा ? चर्चा कीजिए ।

How would a religious person deny the possibility of a religion without God ? Discuss. *15*

Q7. (a) धार्मिक बहुतत्त्ववादियों एवं धार्मिक अनन्यतावादियों के बीच वाद-विवाद में केंद्रीय समस्या को प्रतिपादित कीजिए और स्पष्ट कीजिए ।

Expound and explain the central problem in the discussion between religious pluralists and religious exclusivists. *20*

(b) सभी समय नैतिक किस कारण बना रहे, इस बात का पूर्णरूपेण समाधान धर्मनिरपेक्ष नैतिकता नहीं निकाल सकती है । परीक्षण कीजिए ।

Secular ethics cannot fully resolve as to why one should be moral all the time. Examine. *15*

(c) धार्मिक अनुभव को किस सीमा तक सार्वजनिक संवाद का एक विषय बनाया जा सकता है ? विश्लेषण कीजिए ।

How far can religious experience be made a topic of public discourse ? Analyse. *15*

Q8. (a) हिन्दू धर्म में कर्म, पुनर्जन्म एवं पुन:अवतरण के सिद्धांतों का कथन कीजिए और उनको स्पष्ट कीजिए ।

State and explain the doctrines of Karma, Rebirth and Reincarnation in Hinduism. *20*

(b) ईश्वर के वैयक्तिक एवं अवैयक्तिक स्वरूपों का कथन कीजिए और मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate the personalistic and impersonalistic aspects of God. *15*

(c) भारत में किसी एक धर्म के अनुसार, मानव और ईश्वर के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए ।

Discuss the relationship between man and God according to any one of the religions in India. *15*

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे Time Allowed : **Three** Hours	अधिकतम अंक : **250** Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) क्या आधुनिक प्रौद्योगिकीय समाज में 'मुक्ति' की संकल्पना प्राप्य है ? व्याख्या कीजिए ।

Is the concept of 'liberty' realizable in the modern technological society ? Explain. *10*

(b) उदारवादी लोकतंत्र अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा किस सीमा तक करते हैं ? समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

How far do the liberal democracies safeguard the interests of minorities ? Evaluate critically. *10*

(c) क्या आप सोचते हैं कि धर्मनिरपेक्षवाद 'धर्म' और 'राज्य' के पूर्ण पार्थक्य की माँग करता है ? विवेचना कीजिए ।

Do you think that secularism requires complete separation of 'religion' and 'state' ? Discuss. *10*

(d) बोदिन के संप्रभुतावादी सिद्धांत के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

Explain the importance of Bodin's theory of sovereignty. *10*

(e) क्या आप सोचते हैं कि विद्यमान महामारी समाज में अराजकतावाद को अग्रसर करेगी ? विवेचना कीजिए ।

Do you think that the prevailing pandemic will lead to anarchism in society ? Discuss. *10*

Q2. (a) सामाजिक विकास की गाँधीवादी संकल्पना को अभिव्यक्त एवं उसका परीक्षण कीजिए ।

State and examine the Gandhian concept of social development. *20*

(b) वर्तमान संदर्भ में मार्क्सवाद एक दार्शनिक सिद्धांत के रूप में किस सीमा तक प्रासंगिक है ? अपने उत्तर को न्यायोचित सिद्ध कीजिए ।

How far is Marxism as a philosophical doctrine relevant in the present context ? Justify your answer. *15*

(c) क्या भारतीय परंपरा वैयक्तिक अधिकारों की प्रतिरोधी है ? 'मानव अधिकारों' के सिद्धांत की सहायता से इस पर विचार कीजिए ।

Is Indian tradition antagonistic to Individual Rights ? Consider it by taking recourse to the doctrine of 'Human Rights'. *15*

Q3. (a) स्वाधीन भारत में सामाजिक परिवर्तनों की दिशा में बी.आर. अम्बेडकर के योगदान को अभिव्यक्त एवं उसका परीक्षण कीजिए ।

State and examine B.R. Ambedkar's contribution towards social changes in Independent India. *20*

(b) बहुसंस्कृतिवाद से आप क्या समझते हैं ? एक बहुसांस्कृतिक राष्ट्र को निर्मित करने वाली संरचनात्मक विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।

What do you understand by multiculturalism ? Explain the structural characteristics that make a nation multicultural. *15*

(c) क्या आप सोचते हैं कि दण्ड का प्रतिकारात्मक सिद्धांत मानव अधिकारों के विरुद्ध है ? विवेचना कीजिए ।

Do you think that retributive theory of punishment is against human rights ? Discuss. *15*

Q4. (a) क्या आप सहमत हैं कि महिला सशक्तिकरण लिंगीय विभेदन का उन्मूलन कर सकता है ? विवेचना कीजिए ।

Do you agree that empowering women can eliminate gender discrimination ? Discuss. *20*

(b) वैश्वीकरण के काल में संप्रभुता के सिद्धांत की प्रासंगिकता को अभिव्यक्त एवं उसकी व्याख्या कीजिए ।

State and explain the relevance of the doctrine of sovereignty in times of globalization. *15*

(c) एक राष्ट्र-राज्य में सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्थाएँ भ्रष्टाचार को किस सीमा तक अनुकूलित करती हैं ? विवेचना कीजिए ।

How far do the social and political regimes condition corrupt practices in a nation-state ? Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) वर्तमान वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय विकास के सम्मुख 'धर्म' के महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
Discuss the significance of 'Religion' vis-à-vis the present scientific and technological development. *10*

(b) 'अमरत्व' की संकल्पना धर्म की एक मौलिक पूर्वमान्यता है । अपने उत्तर की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।
The concept of 'Immortality' is a basic presupposition of religion. Elaborate your answer. *10*

(c) क्या यह स्वीकार्य है कि धर्मों का इतिहास संघर्षों का इतिहास है ? विवेचना कीजिए ।
Is it acceptable that the History of Religions is the History of Conflicts ? Discuss. *10*

(d) क्या 'संकल्प-स्वातंत्र्य' तथा 'सर्वशक्तिमान् ईश्वर' में कोई संगति है ? विवेचना कीजिए ।
Is there any compatibility between 'Freedom of Will' and 'Omnipotent God' ? Discuss. *10*

(e) एक बहुसांस्कृतिक बहुलवादी समाज में धार्मिक सहिष्णुता का क्या महत्त्व है ? अपने उत्तर को न्यायोचित सिद्ध कीजिए ।
What is the importance of religious tolerance in a multicultural pluralistic society ? Justify your answer. *10*

Q6. (a) क्या ईश्वर के अस्तित्व के लिए संत एन्सल्म द्वारा दिया गया सत्तामीमांसीय प्रमाण तार्किक है ? विवेचना कीजिए ।
Is the ontological proof for the existence of God by St. Anselm logical ? Discuss. *20*

(b) अशुभ की तार्किक समस्या क्या है ? विवेचना कीजिए ।
What is the logical problem of evil ? Discuss. *15*

(c) एक धर्म की पूर्वापेक्षा के रूप में ईश्वर की संकल्पना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।
Critically examine the concept of God as prerequisite for a religion. *15*

Q7. (a) विशिष्टाद्वैत के विशेष संदर्भ में हिन्दू धर्म में, ईश्वर की प्रकृति की विवेचना कीजिए ।

Discuss the nature of God in Hinduism with special reference to Vishishtadvaita (Qualified non-dualism). *20*

(b) प्रार्थना और उपासना के बीच भेद कीजिए तथा धर्म में उनके स्थान को निर्धारित कीजिए ।

Distinguish between prayer and worship and determine their place in religion. *15*

(c) आस्था के मौलिक अभिमत क्या हैं ? आस्था और विश्वास के बीच प्रभेद कीजिए ।

What are the basic tenets of faith ? Distinguish between faith and belief. *15*

Q8. (a) क्या धार्मिक भाषा में संज्ञानात्मक विषय-वस्तु होती है ? विस्तारपूर्वक सुस्पष्ट कीजिए ।

Does religious language carry cognitive content ? Elucidate in detail. *20*

(b) क्या धार्मिक आस्थाएँ और व्यवहार नैतिक आचरण से असंगत होते हैं ? विवेचना कीजिए ।

Are religious beliefs and practices incompatible with moral behaviour ? Discuss. *15*

(c) क्या आप स्वीकारते हैं कि भारतीय परंपरा में ज्ञान, कर्म और भक्ति मोक्ष प्राप्ति के साधन हैं ? विवेचना कीजिए ।

Do you accept that Knowledge, Action and Devotion are the means to attain liberation in Indian tradition ? Discuss. *15*

CS (Main) Exam, 2021

HXS-B-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे Time Allowed : **Three** Hours	अधिकतम अंक : **250** Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) आर. नोज़िक द्वारा प्रतिपादित न्याय के वितरणात्मक सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Discuss critically the distributive theory of justice as propounded by R. Nozick. *10*

(b) रूसो किस प्रकार प्राकृतिक एवं कृत्रिम असमानता में भेद करते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How does Rousseau distinguish between natural and artificial inequality ? Explain. *10*

(c) क्या ऑस्टिन का संप्रभुता का सिद्धान्त प्रजातंत्र के साथ संगत है ? विवेचना कीजिए ।

Is Austin's theory of sovereignty compatible with democracy ? Discuss. *10*

(d) क्या राजतंत्र, शासन की एक व्यवस्था के रूप में वैयक्तिक स्वतंत्रता के लिए स्थान प्रदान करता है ? व्याख्या कीजिए ।

Does monarchy as a form of government leave room for individual freedom ? Explain. *10*

(e) भूमि एवं सम्पत्ति के अधिकार किस प्रकार महिला सशक्तिकरण में प्रभावी हो सकते हैं ? व्याख्या कीजिए ।

How far can land and property rights be effective in empowerment of women ? Explain. *10*

Q2. (a) क्या अमर्त्य सेन की न्याय की अवधारणा रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त का एक परिष्कृत रूप है ? विवेचना कीजिए ।

Discuss whether Amartya Sen's idea of justice is an improvement upon Rawl's theory of justice. *20*

(b) दण्ड के सुधारात्मक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और विवेचना कीजिए कि क्या यह मानवीय गरिमा के साथ सुसंगत है ।

Explain the reformative theory of punishment and discuss whether this is in tune with human dignity. *15*

(c) क्या मानववाद धर्म का स्थानापन्न हो सकता है ? वर्तमान भारतीय समाज के प्रसंग में इसकी व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Can humanism be a substitute for religion ? Explain and evaluate in the context of the present Indian society. *15*

Q3. (a) एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में अराजकतावाद की विवेचना कीजिए । क्या इससे राजनीतिक सत्ता का पूर्णत: निराकरण सम्भव है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

Discuss anarchism as a political ideology. Is it possible to dispense with political authority completely ? Give reasons for your answer. *20*

(b) गाँधी के समाजवाद की मुख्य विशेषताओं और इसकी समकालीन प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए ।

Discuss the distinctive features of Gandhian Socialism and its contemporary relevance. *15*

(c) संप्रभुता की अवधारणा के सम्बन्ध में कौटिल्य के योगदान की विवेचना कीजिए । क्या यह प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में प्रयोज्य है ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss Kautilya's contribution regarding the concept of sovereignty. Is it applicable in a democratic form of government ? Explain. *15*

Q4. (a) भारतीय समाज में जाति-भेद से सम्बन्धित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचारों की विवेचना कीजिए । इसके निराकरण के लिए उनके द्वारा सुझाए गए उपाय क्या हैं ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss the views of Dr. B.R. Ambedkar regarding caste-discrimination in Indian society. What are the measures suggested by him for its elimination ? Explain. *20*

(b) भारत में महिला भ्रूणहत्या के मुख्य कारण क्या हैं ? क्या यह केवल प्रौद्योगिकी के आसुरी प्रयोग का परिणाम है ? विवेचना कीजिए ।

What are the main causes of female foeticide in India ? Is it the result of demonic application of technology only ? Discuss. *15*

(c) क्या सामाजिक संविदा का सिद्धान्त मानवीय अधिकारों के विभिन्न मुद्दों को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करता है ? मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate whether the social contract theory adequately addresses the different issues of human rights. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) न्याय दर्शन द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के स्वरूप की विवेचना कीजिए ।
Discuss the nature of God as propounded in Nyāya philosophy. *10*

(b) धार्मिक बहुलवाद के प्रसंग में परम सत्य की संभावना की विवेचना कीजिए ।
Discuss the possibility of Absolute Truth in the context of religious pluralism. *10*

(c) क्या बहुधर्मी समाज में धार्मिक स्वतंत्रता संभव है ? व्याख्या कीजिए ।
Is religious freedom possible in a multireligious society ? Explain. *10*

(d) क्या ईश्वर में विश्वास के बिना धार्मिक जीवन संभव है ? विवेचना कीजिए ।
Is religious life possible without the belief in God ? Discuss. *10*

(e) अशुभ के अस्तित्व के सन्दर्भ में ईश्वर की सर्वशक्तिमत्ता के विरोधाभास की विवेचना कीजिए ।
Discuss the paradox of omnipotence of God in the context of the existence of evil. *10*

Q6. (a) हिन्दू परम्परा के विशेष सन्दर्भ में आत्मा की अमरता की अवधारणा की विवेचना कीजिए ।
Discuss the concept of immortality of soul with special reference to Hindu tradition. *20*

(b) अद्वैत वेदान्त के अनुसार मोक्ष की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । मोक्ष की प्राप्ति में ज्ञान की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।
Elucidate the concept of liberation according to Advaita Vedānta. Explain the role of knowledge in the attainment of liberation. *15*

(c) क्या आप समझते हैं कि धर्म और नैतिकता अवियोज्य हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।
Do you consider that religion and morality are inseparable ? Give reasons for your answer. *15*

Q7. (a) धर्म में तर्क एवं आस्था की भूमिका की विवेचना कीजिए । क्या तर्क धार्मिक विश्वासों के प्रतिपादन में नियामक तत्त्व हो सकता है ? व्याख्या कीजिए ।

Discuss the role of reason and faith in religion. Can reason be a regulative force in the formulation of religious beliefs ? Explain. *20*

(b) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए नैतिक तर्क का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Give a critical account of moral argument to prove the existence of God. *15*

(c) वेदान्ती परम्परा के आलोक में धार्मिक अनुभूति की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the concept of religious experience in the light of Vedāntic tradition. *15*

Q8. (a) धार्मिक भाषा सम्बन्धी असंज्ञानात्मक सिद्धान्त क्या है ? आर.बी. ब्रेथवेट के विचारों के आलोक में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

What is non-cognitive theory of religious language ? Explain critically in the light of R.B. Braithwaite's views. *20*

(b) हिन्दू धर्म की एक आवश्यक पूर्व-मान्यता के रूप में कर्म के सिद्धान्त की विवेचना एवं मूल्यांकन कीजिए ।

Discuss and evaluate the doctrine of Karma as an essential postulate of Hinduism. *15*

(c) पॉल टिलिच के विशेष सन्दर्भ में धार्मिक भाषा के प्रतीकात्मक स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the symbolic nature of religious language with special reference to Paul Tillich. *15*

CIVIL SERVICES (MAIN) EXAM-2022

CRNA–S–PHLY

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) मानववाद के उदय में प्रबोधन (एन्लाइटनमेन्ट) आन्दोलन की भूमिका की विवेचना कीजिए।

Discuss the role of enlightenment movement in the rise of humanism.

(b) व्यक्तिवाद तथा सार्वभौमिक मताधिकार के युग में राज-निकाय (बॉडी-पॉलिटिक) में जाति की क्या भूमिका है? विवेचना कीजिए।

In the age of individualism and universal franchise, what role does caste play in body-politic? Discuss.

(c) क्या भ्रष्टाचार एक तंत्रगत विषय है अथवा एक नीतिशास्त्रीय विषय? अपनी समालोचनात्मक टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीजिए।

Is corruption a systemic issue or an ethical issue? Give your critical comments.

(d) "सम्पूर्ण स्वतन्त्रता असमानता को जन्म दे सकती है, जबकि व्यवस्था तथा प्रतिबन्ध से अनिवार्यतः स्वतन्त्रता के ह्रास का फलन होता है।" समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

"Complete liberty may lead to inequality while order and restrictions imply a necessary loss of freedom." Critically discuss.

(e) मृत्युदण्ड के पक्ष में कौन-सी नैतिक युक्तियाँ सम्भव हैं? विवेचना कीजिए।

What are the moral justifications of capital punishment? Discuss.

2. *(a)* यह सिद्ध करने के लिए कि सम्प्रभुता परमतात्त्विक, निरंतर तथा अविभाजित होनी चाहिए, बोडिन कौन-सी युक्तियाँ प्रस्तुत करते हैं? क्या बोडिन की सम्प्रभुता की अवधारणा समानता, न्याय तथा स्वतन्त्रता के सामाजिक तथा राजनैतिक आदर्शों के साथ सुसंगत है? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।

What arguments does Bodin present to contend that sovereignty must be absolute, perpetual and undivided? Is Bodin's conception of sovereignty compatible with the social and political ideals of equality, justice and liberty? Critically discuss. 20

(b) जातिगत भेदभाव के निर्मूलन पर गाँधी के विचारों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate Gandhi's views on eradication of caste discrimination. 15

(c) मार्क्स के दर्शन के सन्दर्भ में साम्यता (इक्विटि) तथा समानता की अवधारणाओं के बीच अन्तर की व्याख्या कीजिए।

Explain the difference between the notion of equity and equality with reference to Marxian philosophy. 15

3. *(a)* क्या आप सहमत हैं कि आर्थिक विकास स्वयमेव मानव विकास तथा सामाजिक प्रगति में परिणित नहीं होता? अपने उत्तर के लिए तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Do you agree that economic development does not on its own lead to human development and social progress? Give reasons and justifications for your answer. 20

(b) एक सांस्कृतिक कोटि के रूप में लिंग-जाति (जेन्डर) तथा एक जीववैज्ञानिक कोटि के रूप में लिंग-भेद (सेक्स) के बीच विरोधाभास की विवेचना कीजिए।

Discuss gender as a cultural category as opposed to sex as a biological category. 15

(c) बहुसंस्कृतिवाद के विवरणात्मक तथा नियामक पक्षों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Critically analyze the descriptive and normative aspects of multiculturalism. 15

4. *(a)* शासन के लोकतान्त्रिक स्वरूप के सम्मुख चुनौती के रूप में अतिप्रचार (प्रोपेगैन्डा) की व्याख्या कीजिए।

Discuss propaganda as a challenge to democratic form of government. 20

(b) क्या अप्रतिबन्धित अधिकारों की अवधारणा अनिवार्यतः अव्यवस्था में परिणित होती है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Does idea of unconditional rights necessarily lead to anarchy? Critically examine. 15

(c) क्या एकाधिपत्य (मोनार्कि) तथा धर्मतन्त्र (थिओक्रेसी) अनिवार्यतः सम्बन्धित हैं? दैविक अधिकार सिद्धान्त के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

Are monarchy and theocracy necessarily related? Discuss with reference to the theory of Divine Right. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) स्पिनोजा की ईश्वर तथा उसकी विशेषताओं की अवधारणा पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on Spinoza's notion of God and His attributes.

(b) "धर्म के बिना नैतिकता सम्भव है किन्तु नैतिकता के बिना धर्म सम्भव नहीं है।" विवेचना कीजिए।

"One can have morality without religion but not religion without morality." Discuss.

(c) "आत्मा की अमरता पुनर्जन्म के लिए एक अनिवार्य आधारतत्त्व है।" बौद्धधर्म के सन्दर्भ में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"Immortality of Soul is a necessary postulate for rebirth." Critically examine with reference to Buddhism.

(d) क्या आस्था की अवधारणा इलहाम (रेविलेशन) की अवधारणा के लिए अपरिहार्य है? समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।

Is the notion of faith indispensable for the idea of revelation? Critically comment.

(e) ''ईश्वर सत्तावान है''—इस वाक्य के सन्दर्भ में धार्मिक भाषा सम्बन्धित संज्ञानात्मक (कॉग्निटिविस्ट) तथा असंज्ञानात्मक (नॉन्-कॉग्निटिविस्ट) दृष्टिकोणों में भेद की व्याख्या कीजिए।

Explain the difference between the cognitivist and non-cognitivist approaches to the religious language with reference to the statement—''God exists''.

6. (a) ईश्वर की सत्ता प्रमाणित करने के लिए सेंट थॉमस एक्काइनस द्वारा प्रदत्त विभिन्न युक्तियों, जिन्हें 'पाँच मार्ग (फाइव वेस)' भी कहा जाता है, की समालोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। इनमें से कौन आपको दार्शनिक रूप से सबसे रोचक लगती है? अपने उत्तर के समर्थन में युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए।

Present a critical exposition of different arguments offered by St. Thomas Aquinas to prove the existence of God also known as 'Five Ways'. Which one of them do you find philosophically most interesting? Give reasons in support of your answer. 20

(b) रामानुजाचार्य के अनुसार ईश्वर तथा आत्मा के बीच सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

Explain the relation between the God and the Self according to Rāmānujācārya. 15

(c) यदि ईश्वर परम सृजनकर्ता है, तो अनिष्ट (इविल) का उत्तरदायित्व मानवकर्ता से सम्बद्ध नहीं हो सकता। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

If God is the Absolute Creator, then the responsibility of the evil cannot belong to the human agent. Critically examine. 15

7. (a) ''केवल एक परम सत्य की अविवाद्य स्वीकार्यता अपरिहार्य रूप से धार्मिक व्यावर्तकतावाद में फलित होगी।'' व्याख्या कीजिए।

''An unquestionable acceptance of only one Absolute Truth will inevitably result in religious exclusivism.'' Discuss. 20

(b) क्या एक यथार्थ कर्ता की अवधारणा के बिना मोक्ष की अवधारणा सम्भव है? इस सन्दर्भ में अद्वैत तथा विशिष्टाद्वैत दर्शन के बीच अन्तर की विवेचना कीजिए।

Is it possible to have an idea of Liberation without the conception of a real agent? In this context, discuss the difference between Advaita and Viśiṣṭādvaita systems of thought. 15

(c) विलियम जेम्स द्वारा प्रस्तुत धार्मिक अनुभवों के स्वरूप तथा प्रकारों की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature and variety of religious experiences as presented by William James. 15

8. *(a)* ईश्वर की सत्ता के लिए प्रागनुभविक तथा अनुभवसापेक्ष युक्तियों के बीच अन्तर के मुख्य बिन्दुओं की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसको अन्य पर अधिक वरीयता देंगे? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

Discuss the main points of distinction between a priori and a posteriori arguments for the existence of God. Which one according to you should be preferred over the other? Give reasons and justifications for your answer. 20

(b) जैन दर्शन के अनुसार आत्मा तथा बंधन के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Discuss the nature of Soul and Bondage according to Jainism. 15

(c) शंकर के अद्वैत दर्शन में ब्रह्म की अवधारणा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। क्या शंकर की ब्रह्म की अवधारणा में ईश्वरवाद के लिए कोई स्थान शेष है? विवेचना कीजिए।

Critically examine the idea of Brahman in Advaita philosophy of Śaṁkara. Does Śaṁkara's conception of Brahman leave room for theism? Discuss. 15

★ ★ ★

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : **तीन** घंटे Time Allowed : **Three** Hours	अधिकतम अंक : **250** Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) निष्पक्षता के रूप में न्याय से क्या अभिप्राय है ? रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

What is meant by justice as fairness ? Explain Rawls' theory of justice. *10*

(b) अराजकतावादी के इस विचार का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि "सभी राज्य सदैव और सर्वत्र अवैध एवं अनुचित हैं ।"

Critically examine the anarchist's view that "all States always and everywhere are illegitimate and unjust." *10*

(c) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि भूमि और सम्पत्ति से संबद्ध अधिकारों ने महिलाओं को सशक्त किया है ? विवेचन कीजिए ।

Do you agree that the rights concerning land and property have empowered women ? Discuss. *10*

(d) भारत के संदर्भ में बहुसंस्कृतिवादी समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the challenges faced by a multicultural society with reference to India. *10*

(e) यदि राजा राजनीति से ऊपर है, तो क्या राजतंत्र शासन का एक सुव्यवस्थित रूप हो सकता है ? विवेचन कीजिए ।

If monarchs are above politics, can monarchy be a systematic form of government ? Discuss. *10*

Q2. (a) लास्की ने संप्रभुता के निरपेक्ष स्वरूप को क्यों अस्वीकार किया ? व्याख्या कीजिए ।

Elucidate why the absolute nature of sovereignty was rejected by Laski. *20*

(b) क्या आप सहमत हैं कि राज्य के बेहतर कामकाज के लिए कर्तव्य और जवाबदेयता को अधिकारों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए ? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए ।

Do you agree that duty and accountability must be given priority over rights for the better functioning of a State ? Justify your answer. *15*

(c) वर्तमान परिदृश्य में, क्या कौशल आधारित शिक्षा विकास की गति में वृद्धि करेगी ? मूल्यांकन कीजिए ।

In the present scenario, will the emphasis on skill education enhance development ? Evaluate. *15*

Q3. (a) ऐतिहासिक भौतिकवाद की व्याख्या कीजिए तथा सामाजिक विकास और परिवर्तन के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए ।

Explain Historical Materialism and discuss its relevance in the context of social development and change. *20*

(b) अम्बेडकर की जाति प्रथा के विनाश की अवधारणा के सामाजिक और राजनीतिक महत्त्व का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

Critically analyse the social and political significance of Ambedkar's notion of annihilation of caste. *15*

(c) लिंग भेद किस प्रकार कन्या भ्रूण-हत्या और सामाजिक असंतुलन की ओर ले जाता है ? विवेचन कीजिए ।

How does gender discrimination lead to female foeticide and social imbalance ? Discuss. *15*

Q4. (a) "दण्ड की कठोरता अपराध की गंभीरता के अनुपात में होनी चाहिए ।" — क्या आप सहमत हैं कि एक किशोर व्यक्ति को दण्ड देते समय अपराध के स्वरूप पर विचार करना चाहिए ? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए ।

"Severity of punishment should be proportionate to the seriousness of the crime." — Do you agree that while punishing a juvenile, the nature of the crime should be considered ? Justify your answer. *20*

(b) लोकतान्त्रिक राज्य के समक्ष चुनौतियों और इन्हें दूर करने के तरीकों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the challenges faced by a democratic state and the ways to overcome them. *15*

(c) धर्मनिरपेक्षता धर्म का अस्वीकरण नहीं बल्कि सभी धर्मों का स्वीकरण है । विवेचन कीजिए ।

Secularism is not a rejection of religion but acceptance of all religions. Discuss. *15*

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) ईश्वर के वैयक्तिक एवं निर्वैयक्तिक पहलुओं की स्पष्ट रूप से व्याख्या कीजिए ।

Elucidate the personalistic and impersonalistic aspects of God. *10*

(b) क्या धार्मिक विश्वासों को तर्कसंगत सिद्ध किया जा सकता है ? विवेचन कीजिए ।

Can religious beliefs be justified ? Discuss. *10*

(c) क्या धर्म नैतिक व्यवहार को प्रभावित करता है ? धर्म व नैतिकता के बीच अन्योन्यक्रियात्मक सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।

Does religion influence the moral behaviour ? Explain the interactive relation between religion and morality. *10*

(d) धार्मिक भाषा के असंज्ञानात्मक स्वरूप के विषय में विट्गेन्सटाइन के विचारों का विवेचन कीजिए ।

Discuss Wittgenstein's view about the non-cognitive nature of religious language. *10*

(e) अज्ञेयवाद क्या है ? अज्ञेयवादी धर्म व ईश्वर के बीच सम्बन्ध की अवधारणा किस प्रकार करते हैं ? विवेचन कीजिए ।

What is Agnosticism ? How do agnostics conceptualize the relation between religion and God ? Discuss. *10*

Q6. (a) आत्मा के अमरत्व के सम्बन्ध में प्लेटो के अनुभवनिरपेक्ष प्रमाणों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

Critically examine Plato's apriori proofs for the immortality of the soul. *20*

(b) ईश्वरवाद में ईश्वर किस अर्थ में अन्तर्यामी और अनुभवातीत दोनों हैं ? विवेचन कीजिए ।

In what sense is God both immanent and transcendent in theism ? Discuss. *15*

(c) धर्म के विमर्श में आस्था के बौद्धिक और अबौद्धिक पक्षों की व्याख्या कीजिए ।

Explain the rational and irrational aspects of faith in the discourse of religion. *15*

Q7. (a) ईश्वर के अस्तित्व के लिए न्याय दर्शन की युक्तियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the arguments of Nyaya for the existence of God. *20*

(b) कर्म के सिद्धान्त में पुनर्जन्म की अवधारणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

Examine the significance of the concept of rebirth in the theory of Karma. *15*

(c) टिलिच के अनुसार धार्मिक भाषा के प्रतीकात्मक स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

Explain the symbolic nature of religious language according to Tillich. *15*

Q8. (a) "सभी अशुभ या तो पाप है या पाप के लिए दिया गया दण्ड ।" – संत ऑगस्टाइन । समालोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

"All evil is either sin or punishment for sin." – St. Augustine. Critically discuss. *20*

(b) क्या धार्मिक बहुलवाद अन्त:धार्मिक संघर्षों को आमन्त्रित करता है और धर्म के सत्य का विनाश करता है ? विवेचन कीजिए ।

Does religious pluralism invite inter-religious conflicts and destroy the truth of religion ? Discuss. *15*

(c) रहस्यानुभूति और इलहाम के बीच सम्बन्ध का परीक्षण कीजिए और धार्मिक जीवन में उनके महत्त्व को समझाइए ।

Examine the relation between mystical experience and revelation and expound their significance in the religious life. *15*